आईआईएम-बी से भी पीएचडी कर सकते हैं छात्र...

हायर एजुकेशन में उद्यमशीलता पर शोध में बढ़ा युवाओं का रुझान

16 साल, 66 विश्वविद्यालय और 177 युवाओं ने की पीएचडी

अभी तक उद्यमशीलता के क्षेत्र में पीएचडी करना या कराना शैक्षिक संस्थानों की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इस ट्रेंड में बदलाव आया है। अब देश के विभिन्न यूनिवर्सिटीज में उद्यमशीलता पर पीएचडी करने वाले युवाओं की संख्या पहले की तुलना में बढ़ी है। देश के प्रतिष्ठित आईआईएम में भी इस पर कभी कोई शोध नहीं हुआ। बदले माहौल में आईआईएम बेंगलूरु ने उद्यमशीलता पर पीएचडी कराने का निर्णय लिया है। नए रुझान को नवाचार के जानकार स्टार्टअप इंडिया अभियान का सीधा प्रभाव मानते हैं।

अध्ययन रिपोर्ट *के मुताबिक 16 सालों में देश के 66 यूनिवर्सिटीज में उद्यमशीलता पर 177 युवाओं ने पीएचडी की है। इनमें से 26 यूनिवर्सिटी में एक-एक छात्र व 40 विवि में एक या अधिक छात्रों ने शोध पत्र तैयार किया है।*

उद्यमशीलता विषय पर हालिया अध्ययन में देश के 740 विश्वविद्यालय शामिल

आईएमएम बेंगलूरु...

आईएमएम बेंगलूरु का पीएचडी शुरू कराने के पीछे तर्क है कि इससे देश में उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। यह नई विश्व व्यवस्था में स्थानीय स्तर पर ग्लोबल लीडर को पैदा करने में सहायक होगा।

शोध क्यों

देश में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना, उद्यमशीलता पर नियमित शोध का हिस्सा बनाना, ताकि नवाचार के क्षेत्र में बेहतर वातावरण का निर्माण हो सके। शिक्षा और उद्योग में सहयोग पर जोर।

रुझान में बढ़ोतरी

गांधीनगर स्थित ईडीआईआई की फैकल्टी मेम्बर कविता सक्सेना का कहना है कि अब स्पष्ट रूप से यह दिख रहा है कि उद्यमशीलता के क्षेत्र में न केवल शोध को लेकर, बल्कि खुद का उद्यम शुरू करने के प्रति भी रुझान बढ़ रहा है। हालांकि यह रुझान बहुत तेज नहीं है, पर पहले के मुकाबले बढ़ा है। यह नए ट्रेंड का संकेत तो देता ही है।

अध्ययन के मुख्य बिंदु

740 मान्यता प्राप्त विवि अध्ययन में शामिल

66 विश्वविद्यालयों में उद्यमशीलता पर शोध कार्य

शोध का सबसे ज्यादा पसंदीदा विषय महिला उद्यमशीलता

104 पुरुष शोधकर्ता

73 महिला शोधकर्ता

अंग्रेजी पीएचडी **167**

हिंदी में **10** पीएचडी

पहला शोध गुजरात विवि में..

उद्यमशीलता पर शोध की शुरुआत गुजरात से शुरू हुई। गुजरात विवि ने अभी तक नौ पीएचडी कराए हैं।

महाराष्ट्र	25	आंध्र प्रदेश	12
कर्नाटक	18	तेलांगना	12
मध्य प्रदेश	15		

शेष पीएचडी अन्य राज्यों के विवि में

मराठवाड़ा विवि में सबसे ज्यादा

डॉ. अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद में सबसे ज्यादा पीएचडी हुए हैं। यहां से पीएचडी करने वालों की संख्या 13 है, जो कुल शोधर्थियों का 7.4% है। दूसरा नंबर उस्मानिया यूनिवर्सिटी का है। यहां से 10 युवाओं ने पीएचडी की है।

भारत में विवि

819 कुल विवि

केन्द्रीय विवि **47**

राज्य विवि **367**

डीम्ड विवि **123**

निजी विवि **282**

1990 के बाद मिला बढ़ावा

अकादमिक और कारोबारी क्षेत्र में उद्यमशीलता को 1990 के बाद नई औद्योगिक नीति और उदारीकरण की नीति से बढ़ावा मिला, जो अब जोर पकड़ रहा है।